SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 43: no 2, February 2003

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

मधुमती

फरवरी, २००३

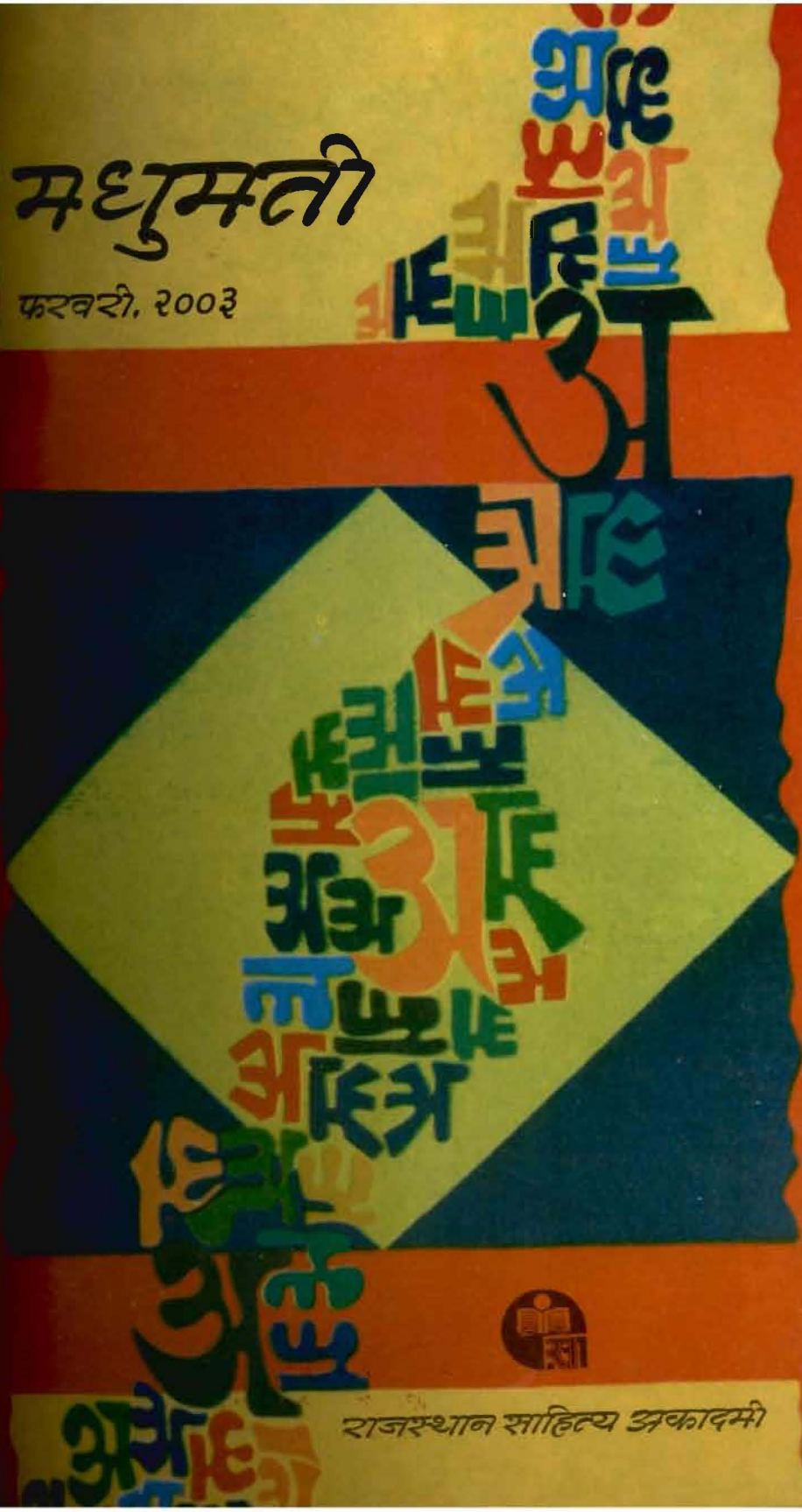

राजस्थान साहित्य अकादमी

विगतवार

अनहदनाद

वेद व्यास 6

हमारे मनीषी

जीवन प्रपंच कथा 9
मुनि जिनविजय

आधार

नारी 13
भगवत शरण उपाध्याय

गीत-ग़ज़ल

तारादत्त निर्विरोध 31
शिवराम 33
गोपाल गर्ग 34
सलीम ख़ाँ फ़रीद 35

अनेकांत

यशपाल के बचाव में 37
मस्तराम कपूर
स्त्री–स्वतंत्रता और दाम्पत्य 43
डॉ. शंभू गुप्त
डॉ. रामविलास शर्मा के चिन्तन में प्राचीन यूनान और यूरोप 45
डॉ. वीरेंद्र सिंह
साहित्य के बुनियादी सरोकार 58
निरंजन सहाय
सांस्कृतिक संक्रमण और साहित्य की चुनौतियाँ 63
राजाराम भादू

कविताएं

अजातशत्रु 71
डॉ. प्रमिला सिंघवी 72
हरीश करमचंदाणी 74
क़मर मेवाड़ी 76
रणवीर सहाय वर्मा 78
डॉ. स्वर्णलता 80

उल्लेखनीय
डॉ. भगवतीलाल व्यास 82

कहानी
बात तो अब भी वही है 89
शंकर लाल मीणा

पुनर्रचना
कविता में पेड़ 97
राधावल्लभ त्रिपाठी

समीक्षा 100
चुप कैसे रहूँ/अज़रा नूर का गज़ल संग्रह
डॉ. बीना शर्मा
रंगशाला में एक दोपहर/डॉ. स्वयं प्रकाश का लेख संग्रह 101
पल्लव

प्राप्ति स्वीकार 104

स्मृति शेष
बलवंत सिंह महता 106
हेमेन्द्र चण्डालिया
सरोकार 109
अमृत सम्मान से सम्मानित साहित्यकार 114
रचनाकार 119

"हम साहित्य को केवल मनोरंजन और विलासिता की वस्तु नहीं समझते। हमारी कसौटी पर वही साहित्य खरा उतरेगा जिसमें उच्च चिन्तन हो, स्वाधीनता का भाव हो, सौन्दर्य का सार हो, सृजन की आत्मा हो, जीवन की सच्चाईयों का प्रकाश हो– जो हममें गति, संघर्ष और बेचैनी पैदा करे, सुलाये नहीं क्योंकि अब ज्यादा सोना मृत्यु का लक्षण है।"

इस अंक के समस्त उद्धरण मुन्शी प्रेमचंद के साहित्य से लिए गये हैं।